वर्ष 16 अंक 56 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 26 फरवरी 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

दुग्ध उत्पादन एवं उद्यम लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति करें सुदृण : डा. अरविंद कुमार सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज सोलिडरीडॉड एशिया कानपुर द्वारा वैकल्पिक आजीविका, बेहतर कार्य प्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेरी का विकास विषय पर दो दिवसीय (24 से 25 फरवरी 2022) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती,पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। तथा स्वयं का उद्यम स्थापित करें। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षक डॉ एस वी पाल ने खेती एवं पशुपालन को लाभकारी बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कृषि तकनीकी प्रसार गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। तथा कहा कि विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थाओं द्वारा उपलब्ध नवीनतम तकनीकों को कृषकों तक पहुंचने पर ही सही दिशा में तकनीकी का प्रयोग होता है । इस अवसर पर समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने से आय को बढ़ाने के तौर तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने धान एवं गेहूं की नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ एम पी एस यादव प्रोफेसर दुग्ध विज्ञान ने अपनी तकनीकी वार्ता में स्वस्थ दुग्ध उत्पादन उत्पाद उपयोग एवं आय बढ़ाने पर नई तकनीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर सोलिडरीडॉड के महेंद्र कुमार मौर्या कार्यक्रम अधिकारी ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर डॉक्टर सुभाष चंद्रा,डॉ पी के राठी, डॉक्टर सोहन लाल वर्मा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह, डॉक्टर दिनेश सिंह, चित्रागद कुमार, अखिलेश सिंह, तरन्नुम खान एवं थपलियाल सहित लगभग 100 कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

अमर उजाला कानपुर 26/02/2022

छात्रों ने ली मधुमक्खी पालन की जानकारी

कानपुर। सीएसए के कीट विभाग में शुक्रवार को हर सहाय जगदंबा सहाय इंटर कॉलेज के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने मधुमक्खी पालन और रखरखाव की जानकारी ली। प्रभारी डॉ. राम सिंह उमराव ने मधुमक्खी का जीवन चक्र, परागण से शहद का निर्माण, भोजन आदि के बारे में बताया। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.

दुग्ध उत्पादन व उन्नत खेती से सुदृढ़ करें आर्थिक स्थिति

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 25 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज सोलिडरीडॉड एशिया की ओर से वैकल्पिक आजीविका, बेहतर कार्य प्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेरी का विकास विषय पर दो दिवसीय (24 से 25 फरवरी 2022) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि नवीनतम तकनीकों से किसान अपनी खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बन सकते है तथा स्वयं का उद्यम भी स्थापित करें।

■ प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को बांटे गए सर्टीफिकेट

सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षक डॉ एस वी पाल ने खेती एवं पशुपालन को लाभकारी बनाने के लिए कृषि तकनीकी प्रसार गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहाकि विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थाओं द्वारा उपलब्ध नवीनतम तकनीकों को कृषकों तक पहुंचने पर ही सही दिशा में तकनीकी का प्रयोग होता है। समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने से आय को बढ़ाने के तौर तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। सस्य वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने धान एवं गेहूं की नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ एम पी एस यादव प्रोफेसर दुग्ध विज्ञान ने अपनी तकनीकी वार्ता में स्वस्थ दुग्ध उत्पादन उत्पाद उपयोग एवं आय बढ़ाने पर नई तकनीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर डा सुभाष चंद्रा, डॉ पी के राठी, डॉ सोहन लाल वर्मा, डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉ दिनेश सिंह, चित्रागद कुमार, अखिलेश सिंह, महेंद्र कुमार मौर्या, तरन्नुम खान एवं थपलियाल सहित लगभग 100 कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

छात्रों ने सीएसए में देखा मधुमक्खी पालन, जानकारियां बटोरी

सीएसए में छात्रों के साथ शिक्षक।

कानपुर, 25 फरवरी। सीएसए यूनिवर्सिटी के कीट विभाग में हर सहाय जगदम्बा सहाय इन्टर कॉलेज पी रोड कानपुर के वाणिज्य विभाग के बच्चों ने मधुमक्खी पालन और उनके रख रखाव की पूरी जानकारी प्राप्त की। सीएसए के कीट विभाग के प्रभारी डॉ. राम सिंह उमराव ने मधुमक्खी का जीवन चक्र, उनके द्वारा परागण से शहद का निर्माण, उनका भोजन आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरल भाषा में उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। मधुमक्खी पालन के लिए कॉलोनी का निर्माण, उनकी सुरक्षा, सीएसए द्वारा सहायता प्रदान करना आदि के बारे में जरूरी जानकारी दी। डॉ.सुधांशु त्रिपाठी और सर्वेश तिवारी के नेतृत्व में श्रेया सैनी,प्रियांशी ,रिचा सोनकर,अनुज जायसवाल,यश जायसवाल, तनिष्क बठेजा ने कैम्पस में इसके अलावा लाइब्रेरी जाकर भविष्य की रूप रेखा तैयार की। कीट विभाग के गेस्ट फैकल्टी डॉ.राहुल भी मौजूद रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:34 | देहरादून, शुक्रवार , 25 फरवरी, 2022 | पृष्ठ:08

दुग्ध उत्पादन एवं उद्यम लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति करें सुदृढ़: डॉ. अरविंद कुमार सिंह

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में सोलिडरीडॉड एशिया कानपुर द्वारा वैकल्पिक आजीविका, बेहतर कार्य प्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेरी का विकास विषय पर दो दिवसीय (24 से 25 फरवरी 2022) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण का समापन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने तथा स्वयं का उद्यम स्थापित करें। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षक डॉ एस वी पाल ने खेती एवं पशुपालन को लाभकारी बनाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कृषि तकनीकी प्रसार गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा कहा कि विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थाओं द्वारा उपलब्ध नवीनतम तकनीकों को कृषकों तक पहुंचने पर ही सही दिशा में तकनीकी का प्रयोग होता है इस अवसर पर समन्वयक डॉ धनंजय सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने से आय को बढ़ाने के तौर तरीकों की विस्तार से जानकारी दी सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने धान एवं गेहूं की नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी इस अवसर पर डॉ एम पी एस यादव प्रोफेसर दुग्ध विज्ञान ने अपनी तकनीकी वार्ता में स्वस्थ दुग्ध उत्पादन उत्पाद उपयोग एवं आय बढ़ाने पर नई तकनीकों की जानकारी दी इस अवसर पर सोलिडरीडॉड के महेंद्र कुमार मौर्या कार्यक्रम अधिकारी ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉ पीके राठी, डॉक्टर सोहन लाल वर्मा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह, डॉक्टर दिनेश सिंह, चित्रांगदा कुमार, अखिलेश सिंह, तरन्नुम खान एवं थपलियाल सहित लगभग 100 कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

दिल्ली से हटेंगे सभी कोरोना प्रतिबंध 12

गौरीगंज से गुंडराज नेस्तनाबूद होगा... 04

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 135
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | शनिवार | 26 फरवरी, 2022

'डेरी का विकास' विषय पर कृषकों को दिया प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में सोलिडरीडॉड एशिया कानपुर द्वारा वैकल्पिक आजीविका, बेहतर कार्य प्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेरी का विकास विषय पर दो दिवसीय कृषक एवं महिला कृषकों के लिए हुए प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से वह अपनी खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बन स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं। सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षक डॉ. एस. वी. पाल ने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि तकनीकी प्रसार गतिविधियों के बारे में बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थाओं द्वारा उपलब्ध नवीनतम तकनीकों के कृषकों तक पहुंचने पर ही सही दिशा में तकनीकी का प्रयोग होता है। समन्वयक डॉ. धनंजय सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाकर आय को बढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी। सस्य वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने धान एवं गेहूं की नवीनतम कृषि तकनीकों, डॉ. एम. पी. एस. यादव ने स्वस्थ दुग्ध उत्पादन उत्पाद उपयोग एवं आय बढ़ाने पर नई तकनीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. पी. के. राठी, डॉ. सोहन लाल वर्मा, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, चित्रागद कुमार, अखिलेश सिंह, तरन्नुम खान एवं थपलियाल सहित लगभग 100 कृषक एवं महिला कृषक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 26 फरवरी • 2022

सीएसए में डेयरी उद्योग के प्रोत्साहन को दिया प्रशिक्षण

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में 'वैकल्पिक आजीविका, वेहतर कार्यप्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता वढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेयरी उद्योग के विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा वताई गई नवीनतम तकनीक से खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को वढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम वढ़ाये जा सकते हैं।

सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षक डॉ.एसवी पाल ने कृषि तकनीकी प्रसार गतिविधियों की जानकारी दी। समन्वयक डॉ.धनंजय सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपना आय वढ़ाने के तौरत्तरीकों के वारे में वताया। सस्य वैज्ञानिक डॉ.जितेन्द्र सिंह ने धान एवं गेहूं की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी दी। प्रोफेसर दुग्ध विज्ञान डॉ.एमपीएस यादव ने स्वस्थ दुग्ध उत्पादन की चर्चा की। सोलिडरीडॉड के कार्यक्रम अधिकारी महेन्द्र कुमार मौर्य, डॉ.सुभाष चन्द्रा, डॉ.पीके राठी, डॉ.सोहन लाल वर्मा, डॉ.अनिल कुमार सिंह, डॉ.दिनेश सिंह आदि ने भागीदारी की।

नवीनतम तकनीकें अपनाकर बनें आत्मनिर्भर

कानपुर। सीएसए में शुक्रवार को वैकल्पिक आजीविका, बेहतर कार्य प्रणाली और जलवायु प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय के माध्यम से डेयरी का विकास विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों की बताई नवीनतम तकनीकों को अपनाकर किसान खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। (संवाद)

अमर उजाला कानपुर 26/02/2022